

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 261

बुधवार, 30 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

नेपाल में भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन का कहर

21 लोगों की मौत, 1500 से अधिक विस्थापित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल के पश्चिमी और दक्षिण-मध्य भागों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आयी भीषण बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी है। इस प्राकृतिक आपदा से 1,500 से अधिक लोग बेघर हो गये हैं और सैकड़ों मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। आपदा के कारण हुई मौतें मुख्य रूप से बागलुंग, पाल्पा, म्याग्दी और धनुषा जिलों में दर्ज की गयी हैं। गंडकी प्रांत पुलिस कार्यालय से प्राप्त प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, केवल गंडकी प्रांत में ही बारिश से जुड़ी घटनाओं में 11 लोगों की मौत हुई है, चार लोग घायल हुए हैं और चार अन्य लापता बताये जा रहे हैं।

बाढ़, भूस्खलन और जलभराव का सबसे गंभीर असर बागलुंग, पर्वत, मनांग, नवलपरासी पूर्व, चितवन, पाल्पा और धनुषा जिलों में देखा जा



रहा है। पुलिस के मुताबिक, 747 परिवारों के कम से कम 1,500 लोग विस्थापित हुए हैं। कुल 179 मकान पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं, 26 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है और 270 अन्य घर अत्यधिक जोखिम में हैं। गंडकी प्रांत पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी कृष्ण प्रसाद

कोइराला ने बताया कि नुकसान का विस्तृत ब्योरा अभी भी जुटया जा रहा है। आपदा के कारण 12 मवेशी शेंड पूरी तरह तबाह हो गये हैं और 44 मवेशियों की मौत हो चुकी है। बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है, जिसमें छह पुल पूरी तरह नष्ट हो गये हैं और दो को आंशिक नुकसान हुआ

है। इसके अलावा तीन सरकारी कार्यालय पूरी तरह ध्वस्त हो गये हैं, तीन को नुकसान पहुंचा है और नौ अन्य भवन खतरे की जद में हैं। बाढ़ और भूस्खलन के चलते कई इलाकों में सड़क और परिवहन सेवाएं पूरी तरह ठप हो गयी हैं। 'द कांटामांडो पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, गंडकी प्रांत में सबसे

अधिक तबाही बागलुंग जिले में हुई है, जहां 10 लोगों की मौत हुई है और एक व्यक्ति लापता है। जिले में 23 घर पूरी तरह तबाह हो गये हैं, 23 मवेशियों की मौत हुई है और 26 परिवारों के 80 लोग बेघर हो गये हैं। पर्वत जिले में कालीगंडकी नदी के तटवर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर तबाही देखने को मिली है। नदी में आयी बाढ़ ने 106 मकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, जबकि 162 परिवारों के 540 लोग विस्थापित हुए हैं। कालीगंडकी नदी के उफान से मध्य-पहाड़ी राजमार्ग पर पर्वत और बागलुंग को जोड़ने वाला मालढुंगा पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है।

जलजला ग्रामीण नगरपालिका के फर्से क्षेत्र में बस्तिवां जलमग्न होने के बाद लगभग 80 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नवलपरासी पूर्व में निचले इलाकों में पानी भरने से 15 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये हैं और 162 परिवारों के 613 लोग विस्थापित हुए हैं।

झांसी में दर्दनाक हादसा: नदी में एक को बचाने के चक्कर में पांच डूबे, सभी की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



झांसी। झांसी जिले में मऊरानीपुर क्षेत्र के अंतर्गत देवरी सिंहपुरा गांव के पास सुखनई नदी में मंगलवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। ताऊ के श्राद्ध के बाद नदी में तिलांजलि देने गए एक ही परिवार के पांच लोग नदी के गहरे पानी में डूब गए। गोताखोरों की मदद से पांचों के शवों को बाहर निकाला गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद से गांव और आसपास के पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। देवरी सिंहपुरा निवासी विजय तिवारी के अनुसार, 28 सितंबर को अनूप तिवारी (45) के ताऊ का श्राद्ध कार्यक्रम था। मंगलवार सुबह अनूप अपने परिवारिक सदस्यों श्रेश्यांश (21), अभिनय तिवारी (26), अर्पित (12) और जालौन के हरदोई निवासी रिश्तेदार पुष्कर शुक्ला (23) के साथ सुखनई नदी पर चैक डैम के पास तिलांजलि देने व स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान अभिनय का

अचानक पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में पांचों लोग पानी के अंदर चले गए। बताया गया कि चैक डैम के बाहर पत्थर की चट्टानें होने के कारण सभी लोगों को चोट लगी और वे डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन में हड़कंप मच गया।

उप जिलाधिकारी मनोज कुमार भारती, पुलिस क्षेत्राधिकारी रंजेश सिंह और कोतवाली प्रभारी मुकेश कुमार सोलंकी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में व्यापक खोजबीन अभियान चलाया गया, जिसके बाद एक-एक करके पांचों लोगों के शवों को बाहर निकाला गया। किसी के पैर

में, किसी के सिर पर और किसी के चेहरे पर चोटें आई थीं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सभी शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्यवाई के लिए भेज दिया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। एसडीएम मनोज कुमार भारती ने बताया कि पीड़ित परिवार को सरकारी नियमानुसार आगामी 24 से 48 घंटों के भीतर आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी।

यूपी एमएलसी चुनाव: बीजेपी ने 6 सीटों पर उतारे उम्मीदवार, मेरठ से दिनेश गोयल प्रत्याशी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मेरठ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्यों के निर्वाचन के लिए मंगलवार को अपने छह प्रत्याशियों की सूची जारी की। भाजपा के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मुख्यालय के प्रभारी और राज्यसभा सदस्य तरुण चुग के हवाले से जारी सूची के मुताबिक वाराणसी खंड स्नातक क्षेत्र से देवराज सिंह, मेरठ स्नातक क्षेत्र से दिनेश गोयल, इलाहाबाद-झांसी स्नातक क्षेत्र से अशोक कुमार राठौर, वाराणसी शिक्षक क्षेत्र से डॉ. प्रमोद मिश्रा, आगरा शिक्षक क्षेत्र से इंजीनियर हरि किशोर तिवारी और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से ध्रुव त्रिपाठी को प्रत्याशी घोषित किया गया है। 33 में 100 सदस्यीय विधान परिषद की पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 11 सीट पर 23 अक्टूबर को मतदान होगा। इसके पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और उप के पूर्व मुख्यमंत्री



अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीट पर होने वाले चुनाव के लिए पार्टी के प्रत्याशियों की घोषणा की। यादव ने मिजापुर-बनारस शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से लाल बिहारी यादव, लखनऊ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सुशील कुमार, आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. प्रकाश चंद्र गुप्ता, गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से कमलेश यादव, मुरादाबाद-बरेली शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से से दानिश अख्तर और मेरठ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. नितिन तोमर को उम्मीदवार बनाया। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में वाराणसी से आशुतोष सिन्हा, इलाहाबाद-झांसी से डॉ. मान सिंह, आगरा से शशांक यादव, मेरठ से

परमिंदर भाटी और लखनऊ खंड से कांति सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया। विधान परिषद की 11 सीट के लिए चुनाव 23 अक्टूबर को होंगे और मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीद रिणवा ने बताया था कि पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी, नामांकन की अंतिम तिथि छह अक्टूबर, जांच सात अक्टूबर तक और नाम वापसी नौ अक्टूबर तक होगी। रिणवा ने कहा कि मतदान 23 अक्टूबर को सुबह आठ से शाम चार बजे तक होगा और पूरी प्रक्रिया 31 अक्टूबर से पहले पूरी हो जाएगी। इन सदस्यों का कार्यकाल छह दिनों के समान हो रहा है।

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक व्यापक 'विंटर एक्शन प्लान 2026-27' का ऐलान किया है। इसमें नियमों को सख्ती से लागू करने, गाड़ियों और निर्माण कार्यों पर रोक लगाने और लोगों की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। यह प्लान 'पूरी सरकार' और 'पूरे समाज' को साथ लेकर चलने के नजरिए पर आधारित है। इसमें एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन (CAQM), सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB), स्थानीय निकाय, दिल्ली पुलिस और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) जैसी एजेंसियां शामिल हैं। इस प्लान के तहत, 1 अक्टूबर से ANPR सिस्टम वाले सभी 500 मेट्रो रेल प्लेस पर 'नो PUC', 'नो फ्यूल' अभियान को और तेज किया जाएगा।



जिन गाड़ियों के पास वैलिड PUC नहीं होगा या जिनकी तय उम्र खत्म हो चुकी होगी, उन्हें फ्यूल नहीं दिया जाएगा। 1 नवंबर से दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड मेट्रो और डीजल गाड़ियों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी जाएगी, जो BS-VI स्टैंडर्ड को पूरा नहीं करती हैं; हालांकि, CNG और इलेक्ट्रिक गाड़ियों को इससे छूट दी गई है।

निर्माण से जुड़ी पाबंदियां चरणों में लागू की जाएंगी। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक, धूल उड़ाने वाली तोड़-फोड़ और बाहरी सिविल निर्माण गतिविधियों पर रोक रहेगी, जबकि 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण

और तोड़-फोड़ की गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। सरकार ने निर्माण स्थलों पर 100% CCTV कवरेज भी अनिवार्य कर दिया है। ट्रैफिक और गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए, सरकारी और प्राइवेट ऑफिस 1 नवंबर से 50% कर्मचारियों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' (WFH) या हफ्ते में दो दिन WFH की व्यवस्था लागू करेंगे। MCD के ऑफिस सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक खुलेंगे, जबकि दिल्ली सरकार के ऑफिस सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक काम करेंगे। मेट्रो पार्किंग सुविधाओं को

छोड़कर, अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क भी लागू कर दिया जाएगा। सरकार सदियों की रणनीति के तहत पब्लिक ट्रांसपोर्ट को भी बढ़ावा दे रही है। दिल्ली में अभी 6,840 बसें हैं, जिनमें 5,088 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं, और सरकार ने मेट्रो में रोजाना यात्रियों की संख्या 72 लाख और DTC में 42 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को बेहतर बनाने के लिए 1 से 10 अक्टूबर तक 'दिल्ली मेट्रो सारथी ऐप' को बढ़ावा देने का अभियान भी चलाया जाएगा।

सड़क की धूल की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने लगभग 3,000 किलोमीटर सड़कों को फिर से विकसित करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 1,193 किलोमीटर का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इसके अलावा, गहरी सफाई, मशीनों से सफाई, पानी का छिड़काव, बेहतर फुटपाथ और खाली पड़ी जमीन पर हरियाली बढ़ाने का काम भी तेज किया जाएगा।

महिलाओं को घर में बंद कर रखने में नहीं, अपराधियों पर कार्रवाई है समाधान : राहुल



नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि उन्हें घर में बंद कर रखना समाधान नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाने और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को सजा देने की जरूरत है। श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'प्रेस' पर कहा कि देशभर में महिलाएं सड़कों पर चलने के दौरान उत्पीड़न और दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर भयभीत हैं और सरकार का जवाब है कि उन्हें घर में रखना है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था पीड़ित को बोधी ठहराती है और अपराधी को बचाती है। उन्होंने कहा कि समाधान महिलाओं को घर के अंदर रखना नहीं, बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाली पुरुष मानसिकता का सामना करना और हमला करने वालों को तेजी से तथा बिना किसी अपवाद के सजा देना है।

समस्या निस्तारण में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई: सीएम योगी जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं

● अधिकारियों को दिए निर्देश, तत्परता और संवेदनशीलता से हो जनता की समस्याओं का समाधान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर। सोमवार को गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित कार्यक्रम 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की। गंभीरता से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशील तरीके से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय करते हुए संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए।



गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात की।

सबको आश्वस्त किया, चबराइए मत, समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं



मुख्यमंत्री ने गोशाला में की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा भी की। उन्होंने गावों, गोवंश व नंदी को खुब दुलारा, गुड खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को गोवंश की समुचित देखभाल के निर्देश दिए।

होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई

लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सरकार भरपूर मदद उपलब्ध कराएगी।

भारतीय महिलाओं ने 4400 मीटर में गोल्ड मेडल जीता, पुरुषों को ब्रॉन्ज से करना पड़ा संतोष

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में 29 सितंबर को भारत ने सात पदक जीते। दिन की शुरूआत निशानेबाजी में महिला ट्रैप टीम के रजत पदक जीतने से हुई। इसके बाद निशानेबाज नीरू दांडा ने दिन का पहला गोल्ड मेडल दिया। भारत के गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 के 11वें दिन पदकों की हैट्रिक पूरी की। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में कांस्य पदक जीता। गुलवीर एशियाई खेलों के एक ही संस्करण में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में तीन मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष और देश के चौथे खिलाड़ी बने। गुलवीर सिंह से पहले, लावी पिंटो (1951 नई दिल्ली, 3 मेडल), पीटी उषा (1986 सियोल, 4 मेडल) और केएम बीनामोल (2002 बुसान, 3 मेडल) ने ऐसी उपलब्धियां अपने नाम की थीं। इसके बाद भारत ने 4400 मीटर महिला रिले में गोल्ड मेडल जीता। किरण, एम पुक्कम, प्राची और विद्या रामराज ने एशियाई खेल 2026 में एथलेटिक्स में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। बहरीन ने रजत

और चीन ने कांस्य पदक जीता। पुरुष 4400 मीटर रिले में भारत ने कांस्य पदक जीता। जापान ने गोल्ड और कतर ने सिल्वर मेडल जीता। भारत ने हांगझू एशियाई खेलों में इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। ऐसे में भारतीय टीम अपने मौजूदा प्रदर्शन से निराश होगी। एथलेटिक्स में ही पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में ब्रॉन्ज मेडल जीता। 1.84 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर 'काउंटबैक' नियम के चलते उन्हें कांस्य पदक मिला। इससे पहले भारत ने 4100 मीटर मिश्रित रिले में कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम ने 41.06 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। भारतीय टीम में गुरिंदरवीर

सिंह, स्नेहा, अनिमेष और हरिता शामिल थे। मुक्केबाजी में परवीन ने महिला 65 किलोग्राम भारवर्ग में ली शू को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अंकुश ने उज्बेकिस्तान के फजलिदीन एरकिनवोएव को हराकर पुरुष 80 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, पुरुष 90+ किग्रा के सेमीफाइनल में नरेंद्र कजाक बॉक्सर से हार गए। उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियन गेम्स 2026 के 11वें दिन की स्पर्धाएं समाप्त होने के बाद भारत पदक तालिका में 10वें नंबर पर पहुंच गया। उसके खाते में अब तक 52 पदक आ चुके हैं। इसमें छह स्वर्ण पदक, 21 रजत पदक और 25 कांस्य पदक शामिल हैं।

संपादक की कलम



विज्ञापन बंद हों, नशे के जाल से बचें युवा

सेलिब्रिटी और सार्वजनिक व्यक्तित्व समाज में एक विशेष प्रभाव रखते हैं। उनके शब्दों, व्यवहार और जीवनशैली को मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचाया जाता है, जिससे वे विशेषकर युवाओं के लिए प्रभावशाली आदर्श बन जाते हैं। यह लोकप्रियता केवल अवसर ही नहीं देती, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी पैदा करती है। नशे की लत आज स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक



ललित शर्मा
संपादक

जब वे नशामुक्त जीवनशैली को अपनाते हैं, नशे के खिलाफ बोलते हैं और पुनर्वास का समर्थन करते हैं, तो वे नशे को मना करना सामाजिक रूप से सम्मानजनक विकल्प बनाने में मदद कर सकते हैं। युवा अवसर उन्हीं लोगों का अनुकरण करते हैं, जिन्हें वे अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे खिलाड़ी जो फिटनेस, अनुशासन और नशामुक्त जीवनशैली पर जोर देते हैं, वे युवाओं के सामने तत्काल आनंद और नशे की संस्कृति का एक सकारात्मक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। जब खिलाड़ी, फिटनेस इन्फ्लुएंसर और सेलिब्रिटी खुले तौर पर नशे को अस्वीकार करते हैं, तो स्वस्थ जीवनशैली के लिए आकर्षक बनती है। नशामुक्ति से जुड़े विभिन्न अभियानों में फिल्म कलाकारों और खेल जगत की हस्तियों की भागीदारी ने युवाओं को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवन चुनने का संदेश दिया है। ऐसे संदेश इसलिए प्रभावशाली हो सकते हैं क्योंकि वे उन व्यक्तियों की ओर से आते हैं, जिन्हें युवा पहले से पसंद और सम्मान करते हैं। सेलिब्रिटी इस धारणा को भी चुनौती दे सकते हैं कि झूहर कोई नशा करता हैव्द या नशा केवल युवावस्था का सामान्य अनुभव है। नशामुक्त भारत अभियान जैसे प्रयासों से जुड़कर सार्वजनिक व्यक्तित्व नशे को जीवनशैली के बजाय एक गंभीर स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती के रूप में देखने की समझ विकसित करने में योगदान दे सकते हैं। कई सार्वजनिक अभियानों में परिवार के भीतर खुलकर बातचीत करने और नशे से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाने पर भी जोर दिया गया है। साथियों का दबाव अक्सर युवाओं को नशे के प्रयोग की ओर धकेलता है। जब लोकप्रिय व्यक्तित्व अपने मंचों के माध्यम से नशामुक्त जीवन को प्रोत्साहित करते हैं, तो वे सामाजिक सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे सकते हैं। सोशल मीडिया अभियान, डिजिटल शपथ, जगमरुकता कार्यक्रम और युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों को सेलिब्रिटी समर्थन मिलने से नशामुक्ति एक सामूहिक सामाजिक संदेश बन सकती है। प्रभावशाली नेतृत्व के साथ संचालित योजनाबद्ध अभियानों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ा जा सकता है। नशे की समस्या अक्सर चुपी और शर्म के कारण और गंभीर हो जाती है। सार्वजनिक व्यक्तित्व जब अपने या दूसरों के नशामुक्ति के अनुभवों के बारे में खुलकर बात करते हैं, तो वे नशे की समस्या से जुड़ा रहे लोगों को केवल दोषी या अपराधी मानने के बजाय सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखने की सोच विकसित कर सकते हैं।

इश्क कि बिसात

वीना आडवानी तन्वी

कविता



इस कदर बिछाई इश्क कि बिसात उसने,

हम बिछे हर दांव मे हम उलझ के रह गये ।

सुलझा ना सके बिछे हर दाव अब तक हम,

हर दांव हमें बहुत ही गहरे से घाव दे गये ।।

बहते रहे मेरे आंसू, खामोश रह हम,

अपनी कलम मे भर हम बस रह गये ।

लिखे अपनी ही रूह पर लगे घावों को,

हम घावों पर यूं मरहम लगा सब सह गये ।।

भूल गए हम मुस्कुराना, सजना-संवरना,

भूल खुद को हम कठपुतली बन कह गये।

भूल खुद को दी अहमियत उनको इतनी,

स्वयं को भूल जैसे अस्तित्व से ढह गये ।।

बिखर गये अनगिनत टुकड़ों में हम इतने,

हर टुकड़ा समेटते आज भी वहीं रह गये

सुनो क्यों खेला जज्बात से हमारे इतना

हम हैं पर रूह से हम निःश्वास ही हो गये ।।

देखो कलम भिगो आंसूओं कि स्याही में

हम दर्द सारा लिख कागजों से ही कह गये

बढ़ गये हमें बिखेर तुम आज इतना आगे

हम तो वहीं के वहीं टूट बिखर के रह गये ।।

संपादकीय

नेता प्रतिपक्ष के पितृसत्ता वाले सवाल ने छोड़ी बड़ी राष्ट्रीय बहस!



किशन भावनार्णी

लेखक

वैश्विक स्तरपर वैश्विक स्तरपर भारत की सांस्कृतिक पहचान में नारी की शक्ति, सृजन और मातृत्व के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।मॉ दुर्गा, काली और शक्ति के विविध स्वरूपों की आराधना इसका उदाहरण है,लेकिन इसी सांस्कृतिक धरातल पर एक विरोधाभास भी दिखाई देता है,एक ओर नारी को देवी मानने की परंपरा और दूसरी ओर परिवार, संपत्ति,निर्णय सामाजिक स्वतंत्रता तथा सार्वजनिक स्थानों में पुरुष- प्रधान सोच।वही बहस 29 सितंबर 2026 को फिर राष्ट्रीय विमर्श में आई।लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पितृसत्ता पर प्रहार करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चल रहे छत्र आंदोलनों का समर्थन करते हुए कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध होने पर समाधान उनकी स्वतंत्रता और आवाजही सीमित करना नहीं होना चाहिए।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया



ललित गर्ग

लेखक

कुत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा।सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया विस्तृत रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के

महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि आधुनिक भारत ने सविधान,संसद,सरकार और न्यायपालिका के माध्यम से इस अंतर को कम करने के अनेक प्रकार के प्रयास किए हैं।सविधान का समानता का सिद्धांत, बेटीयों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार देने वाला हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम 2005, चरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005,दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण संबंधी 2013 का कानून और नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसके प्रमुख उदाहरण हैं।12005 के संशोधन ने बेटी को पुत्र की तरह जन्म से सह दायिकी संपत्ति में समान अधिकार दिया।

साथियों,भारत कीराजनीतिक व्यवस्था ने भी प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में बड़ा संवैधानिक कदम उठाया है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम अर्थात सविधान का 106 वां संशोधन अधिनियम 2023 लोकसभा,राज्य विधान सभाओं और दिल्ली विधान सभा में करीब एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान करता है।हालांकि वास्तविक आरक्षण संबंधित जगणगण के प्रकाशन और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद लागू होना है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं में करीब 14.5 लाख निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं,कुल

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए।गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोज सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमआईआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए।यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के



निर्वाचित प्रतिनिधियों का लगभग 46 प्रतिशत हैं।

साथियों,सरकारी योजनाओं का दायरा भी व्यापक है।मिशन शक्ति के अंतर्गत संबल में वन स्टॉप सेंटर,महिला हेल्पलाइन,बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और नारी अदालत शामिल हैं,जबकि समर्थ महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों को समेटता है।प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में पात्र गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पहले जीवित बच्चे के लिए 5,000 रुपये और दूसरी संतान लड़की होने पर 6,000 रुपये की सहायता का प्रावधान है। अगस्त 2026 तक देश में 991 कार्यरत वन स्टॉप सेंटर्स के माध्यम से 15.20 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता दिए जाने की जानकारी सरकार ने दी है।सुन्यका समृद्धि, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा महिलाओं के नाम आवास आवंटन जैसी पहलें भी



दौरान सामने आई घटनाएं थीं।लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निमाताओं ने नहीं की थी।स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले ह्यग्राम्ट इंजेक्शनहू और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल संद्धांतिक नहीं रह गई है।सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लड़कों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंश छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में

महिला-केंद्रित नीति का हिस्सा हैं। साथियों, लेकिन कानून में समानता और सामाजिक व्यवहार में समानता एक ही चीज नहीं हैं।यहीं पितृसत्ता का प्रसन सामने आता है।पैट्रियाकी शब्द की जड़ यूनानी अवधारणाओं पैटर अर्थात पिता और आर्के अर्थात शासन से जुड़ी मानी जाती है, अर्थात पिता या पुरुष- प्रधान सत्ता।आधुनिक सामाजिक अर्थ में पितृसत्ता उस संरचना को कहा जाता है जिसमें परिवार,संपत्ति आर्थिक संसाधनों और सामाजिक-सार्वजनिक निर्णयों पर पुरुषों का अनुपातहीन नियंत्रण स्थापित हो सकता है और महिलाओं की भूमिका अपेक्षाकृत गौण बनाई जाती है।इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक परिवार, पुरुष या सामाजिक परंपरा अनिवार्य रूप से दमनकारी है;बल्कि यह उन संरचनात्मक प्रवृत्तियों का वर्णन है जिनमें लिंग के आधार पर अधिकार और अवसर असमान हो जाते हैं।

वेलकम इंडिया 02

साथियों, पितृसत्ता का प्रभाव संपत्ति और आर्थिक निर्भरता से लेकर श्रम-विभाजन, विवाह, महिला की स्वतंत्र आवाजही, यौनिकता और प्रजनन संबंधी निर्णयों तक दिखाई दे सकता है।कई समाजों में परिवार का नाम पिता से चलना,विवाह के बाद महिला द्वारा पति का उपनाम अपनाना अथवा घरेलू निर्णयों में पुरुष को अंतिम निर्णायक मानना जैसी परंपराएं इसी व्यापक विमर्श का हिस्सा मानी जाती हैं।किंतु हर ऐसी व्यक्तिगत प्रथा को स्वतः कानूनी अपराध नहीं कहा जा सकता।राज्य का संवैधानिक दायित्व वहां अधिक स्पष्ट होता है जहां सामाजिक प्रथा भेदभाव, हिंसा, जबरदस्ती अथवा किसी मौलिक या वैधानिक अधिकार के उल्लंघन में सटीकता से बदलती है।

साथियों, यही बहस 29 सितंबर 2026 को फिर राष्ट्रीय विमर्श में आई। लोकसभा में विपक्ष के नेता का वक्तव्य दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की से कथित सामूहिक बलात्कार, बिहार के जमुई में नाबालिगों के कथित उत्पीड़न और महिला सुरक्षा को लेकर हो रहे प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में आया।

उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उन्हेने सरकार की आलोचना करते हुए महिलाओं को अपराधों के लिए दंडित करने अथवा उन पर प्रतिबंध लगाने की मानसिकता के विरुद्ध आवाज उठाई। यह एक राजनीतिक आरोप

और दृष्टिकोण है; सरकार तथा सत्तारूढ़ पक्ष की जवाबदेही पर विपक्ष के दावों को उसी रूप में देखा जाना चाहिए, न कि स्वतः सिद्ध निष्कर्ष के रूप में।जमुई मामले में एक नाबालिग लड़की और उसके साथी के कथित उत्पीड़न के वीडियो ने विवाद पैदा किया और आरोपियों के विरुद्ध पॉक्सो कानून के तहत कार्रवाई की गई; राजनीतिक दलों ने घटना की व्याख्या और सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाए। दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंजप्रकरण में 17 वर्षीय लड़की ने तीन व्यक्तियों पर सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया, जिसके बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने महिला सुरक्षा को लेकर सटीकता से प्रदर्शन किए।

साथियों, यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है।विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2026 की जानकारी के अनुसार दुनिया में लगभग तीन में से एक महिला ने अपने जीवनकाल में अंतरंग साथी द्वारा शारीरिक अथवा यौन हिंसा या गैर-साझा दारुन यौन हिंसा का अनुभव किया है।

संगठन लैंगिक असमानता को महिला हिंसा कीमहत्वपूर्ण जड़ों में गिनाता है।इसलिए पीड़िता से यह पूछना कि वह कहाँ गई थी, क्या पहना था या किस समय बाहर थी, अपराधी की जवाबदेही से ध्यान हटाकर पीड़िता को दोष देने वाली मानसिकता को बढ़ा सकता है।

वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है।

।खतरा केकेवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है।संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिवर्जन से पैसे मागे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हैं।करोड़ों भारतीय बैकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं।इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता।भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीटीआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है।भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन

अतिवृष्टि से फसल बर्बाद, कहीं सूखे ने बढ़ाई किसानों की मुश्किल

करने के बाद उनकी नमी काफी कम हो जाती है।इसका असर महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों पर पड़ता है।सामान्य वर्षा में बंगाल की खाड़ी से आने वाली मौसम प्रणालियां इन क्षेत्रों में वर्षा पहुंचाती हैं।लेकिन इस बार बंगाल की खाड़ी में बनी प्रणाली उत्तर और उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गई, जिससे मध्य महाराष्ट्र के अनेक हिस्सों में पर्याप्त बारिश नहीं हो सकी।

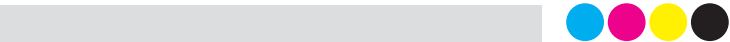
खरीफ फसल पर सबसे बड़ा असर

बारिश की कमी का सीधा असर कृषि पर पड़ा है।मराठवाड़ा और विदर्भ के किसान मुख्य रूप से सोयाबीन, कपास, अरहर, उड़द और मूंग जैसी खरीफ फसलों पर निर्भर हैं। अगस्त और सितंबर इन फसलों के लिए महत्वपूर्ण महीने होते हैं।इसी अवधि में फसल में दाने बनने और कपास में फूल-फल विकसित होने की प्रक्रिया चलती है।ऐसे समय में लंबे समय तक बारिश न होने से खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा।मिट्टी में नमी की कमी और जलाशयों में घटते पानी ने स्थिति और गंभीर कर दी।खरीफ फसल प्रभावित होने के साथ अगली रबी फसल की तैयारी भी कठिन हो गई है।जहां सिंचाई की सुविधा नहीं है, वहां किसान गेहूं, चना और ज्वार

जैसी फसलों की बुवाई को लेकर भी चिंतित हैं।

उत्तर भारत में पानी बना संकट

महाराष्ट्र में जहां किसान पानी के लिए परेशान हैं, वहीं उत्तर भारत में जरूरत से ज्यादा पानी ने किसानों की मुश्किल बढ़ा दी।उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई इलाकों में धान की फसल कटाई के लिए तैयार थी।किसान खेतों में कटाई की तैयारी कर रहे थे, तो पानी तेज और हवाओं ने खड़ी फसल को गिरा दिया।खेतों में पानी भरने से तैयार धान के दाने खराब होने लगे और कुछ जगहों पर उनमें अंकुरण की स्थिति भी पैदा हुई।बाजरा और मक्का जैसी फसलें भी अत्यधिक नमी से प्रभावित हुईं।इस तरह एक ही समय में देश के दो अलग-अलग हिस्सों में किसान विपरीत परिस्थितियों से जुझते दिखाए।एक तरफ पानी की कमी ने फसल सुखा दी, तो दूसरी तरफ अत्यधिक बारिश ने खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाया।जलवायु परिवर्तन के दौर में मौसम की ऐसी चरम घटनाओं को लेकर वैज्ञानिक लगातार चिंता जताते रहे हैं।पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि के साथ वातावरण की नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ती है।



व्यापारियों की समस्याओं को लेकर फूलपुर व्यापार मंडल ने एसीपी पिंडरा के साथ की बैठक

अतिक्रमण और सुरक्षा व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा, एसीपी ने व्यापारियों को सहयोग का दिया भरोसा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। फूलपुर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने मंगलवार को एसीपी पिंडरा प्रशांत सिंह के साथ बैठक कर बाजार की सुरक्षा, अतिक्रमण और व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की। बैठक में व्यापारियों ने आए दिन सामने आने वाली समस्याओं से एसीपी को अवगत करवाया, जिस पर उन्होंने गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में एसीपी प्रशांत सिंह ने व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता



बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की

स्थिति में पुलिस को जांच और कार्रवाई में मदद मिल सके। उन्होंने व्यापारियों से सुरक्षा संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल पुलिस

को देने की भी अपील की। अतिक्रमण को लेकर भी एसीपी ने व्यापारियों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न होने दें। दुकानों के बाहर सामान फैलाने से बाजार में आवागमन प्रभावित होता है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बाजार की व्यवस्था बनाए रखने में व्यापारियों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने को कहा। बैठक के दौरान व्यापारियों ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य स्थानीय समस्याओं को भी पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखा। एसीपी ने व्यापारियों

की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन व्यापारियों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग करेगा। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में थाना प्रभारी फूलपुर अजय वर्मा, व्यापार मंडल संरक्षक भानु प्रकाश सेठ, अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष सोनू सेठ, सचिव ऋषभ अग्रहरि, राजकुमार गुप्ता राजू, किसमिस सेठ, अशोक सेठ, रमेश सेठ, संतोष सेठ, छोटू व्यापारी, दीपक बाबा, मनोज जायसवाल, ओमान मौर्वी, विकी गौड़, संतोष, शिवप्रकाश सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।



इयूटी में तैनात एनडीआरएफ के बचावकर्मी तुरंत सक्रिय हो गए। बिना समय गंवाए बचावकर्मियों ने लाइफ बॉय की सहायता से श्रद्धालु तक पहुंच बनाई और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर नदी तट पर पहुंचाया। समय रहते एनडीआरएफ की टीम द्वारा की

गई त्वरित कार्रवाई से श्रद्धालु की जान बच गई। घटना के दौरान घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं और आमजन ने एनडीआरएफ के बचावकर्मियों की तत्परता और साहसिक कार्य की सराहना की। इस घटना ने एक बार फिर आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दल की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व को सामने ला दिया। एनडीआरएफ की ओर से घाटों पर तैनात बचावकर्मी श्रद्धालुओं और आमजन को लगातार जल सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हैं। लोगों से अपील की जाती है कि गंगा और अन्य जल स्रोतों में स्नान करते समय निर्धारित सुरक्षित स्थानों का ही प्रयोग करें और गहरे पानी में जाने से बचें। साथ ही प्रशासन एवं बचाव दल द्वारा जारी सुरक्षा निदेशों का पालन करें।

राधा रानी का पंचम दिव्य बधाई महोत्सव श्रद्धा से मनाया



वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा। श्री राधा अष्टमी महोत्सव समिति के तत्वावधान में शारदा जैन अतिथि भवन में राधा रानी का पंचम दिव्य बधाई महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। भव्य संकीर्तन में श्रद्धालुओं ने राधा रानी के भजनों पर झूमकर जयकारे

लगाए। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना, श्रीकृष्ण स्तुति एवं गुरु वंदना से हुआ। बधाई गीतों के बीच खिलौने, टॉफी, चॉकलेट व मिठाइयों का प्रसाद वितरित किया गया। समिति अध्यक्ष दीपक गर्ग ने आयोजन के उद्देश्य की जानकारी दी, जबकि आयोजक आशीष यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक



वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अंतर्गत मंगलवार को कोतवाली रुदौली पुलिस टीम ने आदर्श इंटर कॉलेज, ऐहार में पहुंचकर बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। महिला उप निरीक्षक स्तुति गुप्ता के नेतृत्व में कांस्टेबल सलमान अली, राहुल गौतम,

धर्मेन्द्र यादव एवं रौनक सिंह ने छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इस दौरान 1090 महिला हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 112 पुलिस सहायता, 102 एंबुलेंस तथा 108 आपातकालीन सेवा, 1076 के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस या

संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां साझा की गई तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी विषम परिस्थिति में बिना भय के सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

किसानों की समस्याओं को लेकर मांकियू राष्ट्रपुत्र सौपेगी ज्ञापन वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। असमय हुई भारी बारिश से धान की फसल को हुए नुकसान समेत किसानों और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रपुत्र बुधवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम डिबाई को सौंपेगी। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार 30 सितंबर को सुबह 11 बजे दिए जाने वाले ज्ञापन में बारिश से बर्बाद धान की फसल का उचित मुआवजा दिलाने, गन्ने का समर्थन मूल्य कम से कम 600 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने तथा नीम नदी/छोड़्या की डील टूटने से बर्बाद हुई सैकड़ों बीघा फसल के नुकसान की भरपाई की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। इसके अलावा राजघाट में करीब 19 बीघा सरकारी भूमि से कथित अवैध कब्जा हटाने, डिबाई क्षेत्र में ओयो होटलों के माध्यम से कथित रूप से चल रहे देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई तथा अन्य क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की मांग भी ज्ञापन में शामिल होगी।

अमिनेत्री शिल्पा शेड्डी ने एलपी सिंह को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। पिछले 16 वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय मानव एकता एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी एलपी सिंह को सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए एराधानी दिल्ली में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेड्डी ने ह्रसामाजिक गौरव सम्मानरू से सम्मानित किया। सम्मान मिलने पर उन्होंने समर्थकों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में खुशी की लहर है। एलपी सिंह लंबे समय से विभिन्न सामाजिक अभियानों और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। संस्था के माध्यम से उन्होंने एक हजार से अधिक गरीब बहनों और बेटियों के सामूहिक विवाह में सहयोग किया है। इसके अलावा सैकड़ों लावारिस मृतकों का अंतिम संस्कार कराने, लावारिस एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों को आश्रय गृह तक पहुंचाने जैसे कार्यों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोरोना संक्रमण के दौरान लोगों को जागरूक



करने के साथ ही उन्होंने 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ', मतदाता जागरूकता और 'नशा छोड़ो' जैसे अभियानों के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया। सामाजिक क्षेत्र में लगातार किए जा रहे इन कार्यों के लिए उन्हें दिल्ली में सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद एलपी सिंह ने कहा कि वह इस सम्मान को दक्षिणमुखी हनुमान जी का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, ईश्वर की कृपा और लोगों के सहयोग से ही वह लगातार समाजसेवा के कार्य कर पा

मोहम्मद जैन ने मुकम्मल किया कुरआन-ए-पाक, परिवार में खुशी

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। मोहम्मद इरफान के बेटे मोहम्मद जैन ने अल्लाह के कलाम कुरआन शरीफ को मुकम्मल कर एक अहम धार्मिक उपलब्धि हासिल की। कुरआन शरीफ मुकम्मल होने पर परिवार में खुशी का माहौल रहा और रिश्तेदारों व शुभचिंतकों ने मोहम्मद जैन को दिल से मुबारकबाद पेश की। परिजनों ने बताया कि कुरआन शरीफ पढ़ना और उसे मुकम्मल करना उनके लिए बेहद खुशी और सुखून का अवसर है। उन्होंने मोहम्मद जैन के बेहतर भविष्य और दीनी व दुनियावी कामयाबी के लिए दुआ की। इस मौके पर लोगों ने कहा कि कुरआन शरीफ ईसान को नेक रास्ते पर चलने, अच्छे आचरण अपनाने और समाज में भाईचारा व इंसानियत कायम रखने की सीख देता है। मोहम्मद जैन की इस उपलब्धि पर परिवार के साथ-साथ आसपास के लोगों ने भी खुशी जाहिर की और उनके उज्ज्वल भविष्य



के लिए दुआ की। इस मुबारक मौके पर फैज आलम अंसारी, तालिब अंसारी और रकीब अंसारी ने मोहम्मद जैन को दिली मुबारकबाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की। पात्रकार फतेह खान. ने भी मोहम्मद जैन. को अपनी दुआओं से नवाजते हुए दीनी व दुनियावी कामयाबी की दुआ की। परिवार की ओर से सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया गया, जिन्होंने इस खुशी के मौके पर मोहम्मद जैन को मुबारकबाद और अपनी दुआओं से नवाजा।

केदारनाथ सिंह और डॉ. प्रमोद मिश्रा को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगामी स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने वाराणसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से केदारनाथ सिंह और वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. प्रमोद मिश्रा को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। प्रत्याशियों की घोषणा के बाद वाराणसी में भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता जताई। भाजपा की ओर से 29 सितंबर को जारी सूची में दोनों नाम शामिल हैं। पार्टी नेताओं ने दोनों प्रत्याशियों के चयन पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने वाराणसी की दोनों सीटों के लिए प्रत्याशियों का चयन किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चुनाव को लेकर संगठन स्तर पर तैयारियां तेज की जाएंगी और पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन



में कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहेंगे। विधान परिषद के इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की 11 सीटों पर मतदान होना है। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। चुनाव के लिए मतदान 23 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। प्रत्याशियों की घोषणा के बाद खुशी जताने वालों में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, काशी क्षेत्र



अध्यक्ष अशोक चौरिसिया, जिलाध्यक्ष राम सकल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधायक सीरम श्रीवास्तव, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, विधायक टी. राम, महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, क्षेत्र उपाध्यक्ष नवरातन राठी, अर्जुन राय, महामंत्री अनुप जायसवाल, उत्तम ओझा और क्षेत्र सह मोडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर प्रमुख रहे।

पटरी व्यवसायियों की समस्याओं के समाधान का नगर आयुक्त ने दिया भरोसा, 9 अक्टूबर को होगी टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राष्ट्रीय फेरी पटरी ठेला व्यवसायी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक निगम के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं पटरी व्यवसायियों ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शहर में पटरी व्यवसायियों के सामने आ रही समस्याओं, रोजगार की सुरक्षा, वेंडिंग जोन की व्यवस्था और कथित उत्पीड़न के मुद्दे उठाए गए। नगर आयुक्त ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान का आश्वासन दिया और 9 अक्टूबर 2026 को टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक बुलाने की बात कही। महासंघ ने ज्ञापन में पांच प्रमुख मांगें रखीं। पहली मांग चौकाघाट-लहरतारा पलाईओवर के नीचे बने नाइट मार्केट को संचालित कराने की रही। महासंघ



ने कहा कि करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नाइट मार्केट में वास्तविक स्ट्रीट वेंडर्स को बसाया जाना चाहिए। महासंघ ने इस मामले में जांच कर पात्र पटरी व्यवसायियों को नियमानुसार दुकानें आवंटित करने की मांग की। दूसरी मांग हवेलिया तिराहा स्थित वेंडिंग जोन को हटाकर बनाए गए स्ट्रीट फूड हब के आवंटन की जांच कराने की रही। महासंघ ने आरोप लगाया कि वहां अपात्र लोगों को आवंटन किया गया है। संगठन ने इसकी जांच कर अपात्र आवंटन

निस्त करने और वास्तविक पात्र स्ट्रीट वेंडर्स के लिए व्यवस्थित वेंडिंग जोन विकसित करने की मांग की। तीसरी मांग दशाश्वमेध क्षेत्र में पारंपरिक स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवसाय करने की अनुमति देने की रखी गई। महासंघ का कहना है कि पारंपरिक पटरी व्यवसायियों को नियमानुसार कारोबार करने का अवसर मिलने से उनकी आजीविका सुरक्षित रह सकेगी। चौथी मांग पटरी व्यवसायियों के साथ होने वाली पुलिस की मांगों पर विस्तार से चर्चा कर उचित निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में कानूनी साक्षरता एवं पॉक्सो जागरूकता शिविर का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के तत्त्वावधान में एक दिवसीय कानूनी साक्षरता एवं पॉक्सो जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद से सरकारी पैनल अधिवक्ता एवं राजस्व व सविल बार एसोसिएशन मोदीनगर (गाजियाबाद) के पूर्व सचिव संजय मुद्गल तथा संगीता (एडवोकेट) उपस्थित रहे। उन्होंने संयुक्त रूप से छात्राओं को कानूनी अधिकारों तथा पॉक्सो एक्ट के प्रति जागरूक किया। अधिवक्ताओं ने छात्राओं को 'गुड टच और बैड टच' का अंतर समझाया और बताया कि किसी भी विषम या असुरक्षित परिस्थिति में अपने बचाव



व सुरक्षा के लिए किस प्रकार सजग रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने किसी भी प्रकार की शिकायत या आपातकालीन सहायता दर्ज कराने के लिए लीगल एड हेल्पलाइन नंबर 15100 की विस्तृत जानकारी दी और बच्चों को बिना डरे इस पर संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने अपने संदेश में कहा,

‘बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शिविरों के माध्यम से छात्राएं न केवल जागरूक होती हैं, बल्कि आत्म-विश्वास के साथ सशक्त और सुरक्षित भविष्य की ओर कदम बढ़ाती हैं।’

विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रजनी ओहरी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूरी टीम का हार्दिक

धन्यवाद व आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यालय हमेशा विद्यार्थियों की सुरक्षा और जागरूकता के लिए संकल्पित है। कार्यक्रम का कुशल एवं सफल मंच संचालन देवेंद्र चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सीमा माहेश्वरी, श्रीमती अंजू शर्मा , श्रीमती ललिता ओहरी , पॉक्सो कमेटी की समस्त शिक्षिकाएं, विद्यालय का स्टाफ तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

ईंख के खेत में मिला इलेक्ट्रीशियन का कंकाल, परिजनों ने थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी

गाजियाबाद। मोदीनगर कोतवाली क्षेत्र के गांव बखरवा में मंगलवार दोपहर ईंख के खेत में कई दिन पुराना शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की हालत इतनी खराब थी कि पशुओं ने उसे नोंचकर लगभग कंकाल में बदल दिया था। कपड़ों के आधार पर परिजनों ने मृतक को पहचान गांव निवासी पवन शर्मा के रूप में की। पवन डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन के इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में रसायन विभाग में लैब अटेंडेंट के रूप में काम करते थे। पुत्र तुषार के अनुसार, पवन शर्मा 21 सितंबर की सुबह करीब 8:30 बजे इंस्टीट्यूट जाने के लिए दिल्ली-मेरठ मार्ग पर निकले थे, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटे। परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया तो फोन स्विच ऑफ मिला। काफी तलाश के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर तुषार ने अगले दिन मोदीनगर थाने में पवन की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में डिजाइन थिंकिंग कार्यशाला का समापन, छात्रों ने तैयार किए पांच प्रोटोटाइप

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर से साहिबाबाद स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में आयोजित दो दिवसीय डिजाइन थिंकिंग कार्यशाला का सफल समापन हुआ। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने डिजाइन थिंकिंग की विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से वास्तविक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान विकसित करने का अनुभव प्राप्त किया।कार्यशाला के पहले दिन प्रतिभागियों को समानुभूति (एम्पैथी) और विचार-मंथन (आईडिएशन) के जरिए समस्या को समझने तथा नए विचार विकसित करने पर मार्गदर्शन



दिया गया। दूसरे दिन का मुख्य फोकस रैपिड प्रोटोटाइपिंग और विचारों को व्यावहारिक रूप देने पर रहा। इस दौरान विद्यार्थियों की पांच टीमों ने पांच प्रोटोटाइप तैयार किए। टीमों ने सामूहिक प्रयासों और रचनात्मक सोच के जरिए जटिल इंजीनियरिंग

और शैक्षणिक जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा मिला। कॉलेज की ओर से कार्यशाला की मेजबानी के लिए सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के प्रबंधन एवं नेतृत्व का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही, विभिन्न चरणों में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने वाले संकाय सदस्यों के योगदान की सराहना की गई। कॉलेज के अनुसार, इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता, समस्या-समाधान, उद्यमशीलता और नवाचार की भावना विकसित करने में सहायक हैं। यह आयोजन व्यावहारिक शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग-आधारित प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

वरिष्ठ नागरिक संस्था की नव कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 4 अक्टूबर को

मोदीनगर,(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिक संस्था मोदीनगर की नव कार्यकारिणी का 4 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ नागरिक संस्था के अध्यक्ष रकम सिंह दरोगा एवं महासचिव वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि आगामी 4 अक्टूबर को जिला परिषद मार्केट स्थित पुस्तकालय (निकट कोतवाली) में वरिष्ठ नागरिक संस्था मोदीनगर की नव कार्यकारिणी का 4 अक्टूबर को 11 बजे शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान, विधायक श्रीमती डा० मंजू सिवाव, व विशेष अतिथि पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली को आमंत्रित किया गया है ।



अधर्म के विनाश के लिए भगवान लेते हैं अवतार: कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। श्री राम कथा आयोजन समिति के तत्वाधान में चल रही श्री भागवत कथा में कथा व्यास पूज्य अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दौरान चतुर्थ दिन ज्ञान की महिमा के विषय में श्रद्धालुओं को बताया कि मनुष्य को गृहस्थ जीवन जीने के लिए भगवान शिव के आदर्शों पर चलना चाहिए।

पूज्य व्यास जी ने भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का सुन्दर वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म का प्रकोप बढ़ता है, तब-तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतरित होकर असुरों का नाश करते हैं, जिससे अधर्म पर धर्म की विजय होती है। भगवान को प्राप्त करने



के लिए व्यक्ति को प्रीजर की भाँति होना चाहिए अर्थात् काम, क्रोध, मोह, लोभ एवं ईर्ष्या का त्याग कर, भक्ति एवं निर्मल हृदय से ही भगवान की प्राप्ति सम्भव है। आज कथा के यजमान अनिल गर्ग ललित गर्ग ,आलोक सिंघल राम किशोर अग्रवाल मंत्री जी संजय गर्ग राहुल गुप्ता अनिल गुप्ता राजीव अग्रवाल राम अवतार बूरा वाले दीपक गर्ग सुशील कुमार गुप्ता

रहे इनके अतिरिक्त कथा में मुख्य रूप से डॉक्टर देवेंद्र सिवाच योगेश नंदवानी ,दीपक वत्स सीकरी, मुकेश कालका जी दिल्ली, चेतन पिलखुआ , सुशील मुरादनगर अरविंद भारतीय, अमरीश गोयल, राजेंद्र अग्रवाल अनिल आर्य अधिनियम महेश्वरी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त दशमेश खालसा के सदस्यों ने महाराज जी का पगड़ी पहनकर सम्मान किया।

बचपन से स्वास्थ्य की पाठशाला, चिकित्सकों का भी होगा ज्ञानवर्धन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) गाजियाबाद की नई कार्यकारिणी एक अक्टूबर से अपनी जिम्मेदारी सँभालेगी। नई कार्यकारिणी ने आगामी वर्ष के लिए बच्चों और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, चिकित्सकों के निरंतर ज्ञानवर्धन, डॉक्टर-मरीज के बीच विश्वास मजबूत करने और स्वयं चिकित्सकों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की कार्ययोजना तैयार की है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में नई कार्यकारिणी का परिचय कराने के साथ आगामी कार्यकाल की

प्राथमिकताओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत आईएमए गाजियाबाद की वर्तमान अध्यक्ष डॉ. अल्पना कंसल ने पूरे वर्ष आईएमए की गतिविधियों को समाज तक पहुंचाने और संस्था को सहयोग देने के लिए मीडिया का धन्यवाद किया। इस दौरान एमएमजी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आलोक रंजन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद मीडिया प्रभारी डॉ. नवनीत वर्मा ने वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी का परिचय कराया। नई टीम में अध्यक्ष डॉ. प्रवीण चावला, अध्यक्ष निर्वार्चित डॉ. अर्चना शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. ए.के.



अनुरागी, सचिव डॉ. राजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष डॉ. सारिका जैन, संयुक्त सचिव डॉ. पारुल और डॉ. प्रियंका गुप्ता तथा संयुक्त कोषाध्यक्ष डॉ. रुपाली जोशी शामिल हैं। नई कार्यकारिणी डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास तथा संचाद को भी प्रमुख प्राथमिकता देगी। डॉ. चावला ने कहा कि चिकित्सक और मरीज का रिश्ता

केवल उपचार तक सीमित नहीं है। यह विश्वास, संवेदना और संवाद पर आधारित होता है। चिकित्सकों को संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ मरीजों की बात सुननी होगी। प्रयास रहेगा कि डॉक्टर और मरीज के बीच दूरी कम हो तथा शिकायत के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित हो। उन्होंने चिकित्सकों के स्वास्थ्य को भी

महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जो चिकित्सक दूसरों को स्वस्थ रहने की सलाह देते हैं, उनका स्वयं स्वस्थ रहना भी जरूरी है।

नई कार्यकारिणी चिकित्सकों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, शारीरिक सक्रियता, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और काम तथा निजी जीवन में संतुलन जैसे विषयों पर भी कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकाल की मूल भावना 'स्वस्थ समाज, ज्ञानवर्धन, सम्मानित चिकित्सा विरादरी और स्वस्थ चिकित्सक' पर केंद्रित रहेगी। अंत में मीडिया प्रभारी डॉ. नवनीत वर्मा ने पत्रकारों का आभार व्यक्त किया और आईएमए की

मोदीनगर में पहली बार कैरोटिड एंजियोप्लास्टी का हुआ सफल ऑपरेशन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। नगर में प्रथम बार होने के जाने माने कार्डियोलॉजिस्ट डा. दीपक द्वारा एक महिला को कैरोटिड एंजियोइलास्टी का सफल ऑपरेशन किया गया है। इस सम्बन्ध में निवाडी रोड स्थित श्री हरदेव सिंह मेमोरियल हास्पिटल के संचालक डॉ विजय तोमर, डॉ अजय तोमर ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि सीकरी फाटक के निकट संजीवनी एस्टेट में रहने वाली महिला हिमानी शर्मा को पिछले करीब दो-तीन महीने से बाई आंख से देखने में परेशानी आ रही थी इसे लेकर पहले उन्होंने नैत्र चिकित्सक डॉ. अभिषेक चौधरी से सम्पर्क किया तो उन्होंने जाँच के उपरान्त किसी अच्छी अच्चे कांठिलॉजिस्ट को दिखाने की सलाह दी। जिसके बाद महिला ने हमारे अस्पताल में डॉ. दीपक



(कार्डियोलॉजिस्ट) को दिखाया। जिसमें उन्होंने कैरोटिड एंजियोप्लास्टी नामक ऑपरेशन कराने की सलाह दी। इसके बाद 23 सितम्बर को महिला का डॉ. दीपक द्वारा सफल ऑपरेशन किया गया। डा. अजय तोमर ने बताया कि यह ऑपरेशन बेहद जटिल होने के कारण व्यक्ति के अधरंग,लकवा आदि होने की संभावना रहती है। इसलिए ऐसे ऑपरेशन कराने के लिये अधिकांश व्यक्ति दिल्ली व नोएडा के

अस्पतालों में ऑपरेशन कराना प्राथमिकता देते हैं, लेकिन अब मोदीनगर में हमारे अस्पताल में सभी सुविधाएं होने के कारण पहली बार मोदीनगर जैसे शहर में यह जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। बीमारी से पीड़ित महिला ने बताया कि ऑपरेशन के तीन दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी और अब वे पूर्व की भांति स्वस्थ है उनकी आंखों में अब किसी प्रकार की परेशानी नहीं है।

पोषण गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्त्रियां सम्मानित



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। भोजपुर ब्लॉक सभागार में मंगलवार को बाल विकास विभाग की ओर से पोषण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वस्थ बेबी शो का आयोजन किया गया।

जिसमें बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार दिए गए। तीन अन्य बच्चों को सात्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलवा कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने में योगदान देने वाली कार्यकर्त्रियों को प्रमाण पत्र देकर

सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के फॉर्म भरवाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्त्रियों को भी पुरस्कार दिए गए। विभाग की ओर से घोषित तीसरी साड़ी वितरण योजना के तहत प्रतीकात्मक रूप से पांच कार्यकर्त्रियों और पांच सहायिकाओं को साड़ी प्रदान की गई। कार्यक्रम में हल्दी कार्यक्रम और संवर्धन किट वितरण भी किया गया। मुख्य अतिथि विधायक डॉ मंजू शिवाच और ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह रहीं।

जिला मंत्री तिषा गोस्वामी की मौजूदगी में कार्यक्रम हुआ। पीएचसी भोजपुर के चिकित्साधिकारी डॉ रवि, खंड शिक्षा अधिकारी महिमा, बाल विकास परियोजना अधिकारी स्वाति तथा मुख्य सेविकाएं वंदना सैनी, आरती राठी और ब्रजेश सैनी मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल द्वारा रक्तदान शिविर कई का आयोजन

शिविर में 177 यूनिट रक्त का किया गया संग्रह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल द्वारा आई टी एस कॉलेज, मोहन नगर, गाजियाबाद में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 177 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में स्वेच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में आई टीएस ग्रुप के चेयरमैन अर.पी. चड्ढा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में वरदान संस्था का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। शिविर के प्रोजेक्ट चेयरमैन PP रोटेरियन अतुल जैन ने कहा कि रक्तदान महादान है।



177 यूनिट रक्त का संग्रह समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, वरदान संस्था एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन संजय गर्ग, सचिव रोटेरियन अनिल गुप्ता, कोषाध्यक्ष PP रोटेरियन मनोज

सिंघल, राज कुमार चौधरी, अजय शर्मा, नरेंद्र मित्तल, उषा रानी, निशा गुप्ता, शिल्पी अग्रवाल एवं बीना शर्मा सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और शिविर के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग किया। 177 यूनिट रक्त संग्रह-अनेक जिंदगियों के लिए उम्मीद।

हिंडन में गंदा पानी रोकने को नई कवायद, तीन नालों पर होगा प्राकृतिक उपचार

गाजियाबाद। हिंडन नदी को दूषित होने से बचाने के लिए नगर निगम ने एक बार फिर कवायद शुरू कर दी है। नदी में सीधे गिरने वाले नालों के गंदे पानी को अब रासायनिक प्रक्रिया के बजाय प्राकृतिक तकनीक से साफ करने की तैयारी है। इसके लिए बायो-रेमेडिएशन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। पहले चरण में सिटी फोरेस्ट, हिंडन विहार और कैला भट्टा नाले को इसके लिए चुना गया है। इन तीनों नालों का पानी सीधे हिंडन नदी में जाता है। प्रोजेक्ट को लेकर चार कंपनियों ने नगर निगम में प्रस्तुतिकरण दिया है। कंपनियों ने नगर आयुक्त और जलकल विभाग के अधिकारियों के सामने नाले के दूषित पानी को प्राकृतिक तरीके से साफ करने की अपनी तकनीक के बारे में जानकारी दी। अब निगम की ओर से सभी कंपनियों की तकनीक और कार्ययोजना का परीक्षण करने के बाद बेहतर विकल्प वाली कंपनी का चयन किया जाएगा। इसके बाद टैंडर प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू कराया जाएगा। जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि तीन नालों के पानी को साफ करने का काम प्रयोग के तौर पर कराया जा रहा है। पूर्व में भी इसके लिए टैंडर जारी किया गया था, लेकिन उस समय किसी कंपनी ने रुचि नहीं दिखाई थी। दोबारा टैंडर प्रक्रिया शुरू होने के बाद कंपनियों ने आवेदन किया और प्रस्तुतिकरण दिया है। उन्होंने बताया कि तकनीकी रूप से बेहतर कंपनी का चयन कर करीब एक माह में टैंडर प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि बायो-रेमेडिएशन के जरिए नाले के पानी को प्राकृतिक तरीके से उपचारित किया जाएगा। इसके बाद ही पानी को नदी में छोड़ा जाएगा।

